यदृच्छात्मक शब्द, १६०.
यवनों की लिपि, १२७.
याकोबी, १४७.
याज्ञवल्क्य, १८६, ३१०.
याज्ञवल्क्यशिक्षा, ३१३.
यास्क, १२५, १२६, १८४ टि०, २३५, २३७, २७०, २७६, २९४, ३१६, ३२५, ३३५.
युकगिर, भाषा, ८५.
युगोस्लाविया, १०१.
युधिष्ठिर मीमांसक, ३२४, ३२५.
यूनान, ३३८.
यूनानी भाषा, १२६, २०५.
यूराल-अल्ताई परिवार, ८४.
यूराल भाषा परिवार, ७२, ७३.
यूरेशिया खण्ड, ८३-८४.
यूरोप, ६४, ८३, ८४, ९३, ९७, ९८, ११६, २८४, ३४१, ३४४, ३६६.
येनिश, ३५१.
येल विश्वविद्यालय, ३५८.
योगात्मक भाषावर्ग, ६६, ७२.
योग्यता, २५७.
रइधू, १४०.
रचानी भाषा, ८४.
रत्नाकर, १४७.
रवीन्द्रनाथ ठाकुर, १४४.
रसखान, १४७.
राँची, १४४.
राजनयिक भाषा, २८.
राजनीतिक परिवेश, २८६.
राजभाषा, २८, ३२, १४८.
राजशेखर, १२७, १४६.
राजस्थान, १४८, १४६.
राजस्थानी भाषा, १००, १४८, १५१, २३३, २३७.
रामचरितमानस, १४५--कोश--२९७.
रामपुर, १४७.
राममूर्ति मेहरोत्रा, ११६, ३३३. ३२६, ३४६.
रामविलास शर्मा, ३३८, ३७४.
रामसिंह, १४०.
रामायण, ९६, ११६, ३२६, ३४६.
रामास्वामी अय्यर, ३३६.
रामेश्वर दयालु, १० टि०, २५ टि०, ८१.
राय, ३८, ४२.
रा..त इन्स्टीट्यूट, ३५४.
रॉयल एशियाटिक सोसायटी, ३४४.
राष्ट्रभाषा, ३१, १४८, राष्ट्रीय भाषा, २८.
राष्ट्ररत्नम्, १२६.
रास्मस रास्क, ३४८, ३४६, ३५०, ३५२.
राहुल सांकृत्यायन, १४४.
रिचर्ड्स, ३८, ४२, २८४.
रूपग्राम, २४५, २४६, २४८, २४९.
--विज्ञान, ७, २४५.
रूडोल्फ रॉथ, ३३५, ३५२.
रूपतत्त्व, ६६, ७८, ७६, २४६.
रूप-ध्वनिग्रामविज्ञान, २४५, २४६. २५०.
रूपपरिवर्तन, २३७--२४१, २४३, २४८.
रूपमाला, ३२७.
रूपरचना, ६७, २७२.
रूपविकास, २३८.
रूपविज्ञान, २२४, २५२.
रूपात्मक वर्गीकरण, ६७.
रूपात्मक स्वराघात, १५८, १६०.
रूपिम, २४५, २४६.
रुमानी भाषा, ९७, १०२.
रूस, ३२, ५६.

रूसी भाषा, २३, २६, ८१, ९५, ९६, १२६, १९०, २६१, २९५.
रूसो, ३६, ३४१.
रेड इण्डियन्स, ६०, ६३.
रेनन, ४०.
रोजेन, ३४७.
रोमन, ९८,—कैथोलिक, ९७.
रोमनगर, ९७.
रोमन याकोब्सन, २११.
रोमन लिपि, १५६, १९१, ३६५, ३६६, ३७०.
रोहतक, १४८.
लंका, १३१.
लंडा लिपि, १४६, १४७.
लक्षणा, २७८.
लक्ष्मणस्वरूप, ३३४, ३३५.
लक्ष्यार्थ, २७०.
लघुकौमुदी, ३२७.
लघुरूसी भाषा, १०१.
लन्दन, २११, ३४६.
लहँदा भाषा, १००, १४१, १४३, १४७, १५१, ३३६.
लाइबनिज, ३४२.
लाइपनिज विश्वविद्यालय, ३५८.
लॉके, ३४२.
लाक्षणिक प्रयोग, २८७.
लाट प्राकृत, १३४.
लातविया देश, १००.
लाप या लापी भाषा, ८४, ३४९.
लाल कवि, १४८.
ला सोसियेते द लैंगिस्तीक, ३५ टि०.
लास्सेन, ३४७.
लिंग्विस्टिक, ३५१.
लिंग, २३३.
लिथुआनिया देश, ४६, ६४, १००, १०१.
लिथुआनी भाषा, ४६, ६४, ९६, ९७, १००, १०१, ३५१.
लिपि, १३, ३६८—का विकास, ३६४.
लिपि की अपूर्णता, ५२, ५३.
लिपि चिह्न, १५६, १५७, २१०, २१२, २१६, २१९, ३६९, ३७०.
लिपि-दोष, १८८, १९१.
लिपि-परिवर्तन, ११३.
लिपि-संकेत, २११, ३६५, ३७०.
लीवरपूल विश्वविद्यालय, ३२.
लुइपा कवि, १४५.
लुण्ठित ध्वनियाँ, १६७, १७४, १७५.
लगी भाषा, ८४.
लत्ती भाषा, १००, १०१.
लैटिन-नियम, १९५, २०४.
लैटिन भाषा, ३, १६, ७५, ८०, ८४, ९१, ९३, ९५–९६, ११६, ११९, १२६, १९६, १९८, २०४, २६१, ३४१, ३४४, ३४७, ३५०–३५२, ३५८.
लोक-भाषा, ३३०.
लोकोक्ति-कोश, २९७.
लोप, ५३, १८५.
लौकिक संस्कृत, ११६, ११९, १२१, ३२३.
ल्योनार्ड ब्लूमफीड, ३५८.
वचन, २२३.
वज्राङ्ग, १८९.
वरदराज, ३२७.
वररुचि, १३६, १३८, ३३१.
वर्ण, २९५,—नाश, १८४,—परिवर्तन, १९५,—विकार, १८४, ३२२,—विज्ञान, १५४,—विपर्यय, ५३, १८४,—आगम, १८४.
वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ८, २५२.
वत्सर्य, १८३.

वर्नर, ७, १९५, १९९, २०१–२०३, ३५६.
वर्नर-उपनियम, १९५.
वसिष्ठ, ३०६.
वर्स्व, १६५.
वर्स्व्य ध्वनियाँ, १७०, १७२.
वाकरनागल, १३०, ३१६, ३५७, ३५८.
वाक्य, २५३–२५७,––परिभाषा, २५२.
––परिवर्तन, २६४, २६६,––रचना ८, ६२ टि०, ७६.
वाक्यपदीय, ३, ५९, ६०, २५३, २७०, २७२, २७३–२७५, २७७ टि०, ३२८–३३०.
वाक्य-विचार, १२ टि०.
वाक्य-विज्ञान, १२, १५४, २५२, ३५७,
वाक्य-विश्लेषण, २६१.
वागयन्त्र, २०, २३, ५३, १६२, १६६, १७०.
वाचिक भाषा, २४.
वाणीकान्त काकती, ३३६.
वात्स्यायन, १२७, २५३.
वान्द्रिये, ३६१.
वॉन ब्रैडके, ९५.
वामन, ३२७.
वारिसशाह १४७.
वारेन हेस्टिंग्ज, ३४४.
वार्तिक, १२६.
वार्ष्यायणि, ३१६.
वालपोल, २८४.
वाल्मीकि, ११९, ३४३.
वासिष्ठी शिक्षा, ३१३.
वासुदेव, १३५.
विकार, ५३.
विण्टरनिट्ज, १२१ टि०, ३१०, ३४८.
विद्यापति, १४८.
विधुशेखर भट्टाचार्य, १३०, ३३६.
विधेय, २६०, २६२.
विनयचन्द्र सूरि, १४९.
विनायक मिस्र, २३६.
विपरीत लक्षणा, २९०.
विपर्यय, १८६, १८९.
विभक्तिप्रधान भाषा, ६६, ७५.
विभक्तिप्रधान वाक्यरचना, ६२ टि०,
विभाषा, २८, २९, ३१.
विमल सरस्वती, ३२७.
वियोगात्मक भाषाएँ, ९४.
विरोधी वितरण, २२०.
विरोस भाषा-परिवार, ९१.
विलियम ड्वाइट ह्विटनी, ३५४.
विल्सन फिलालाजिकल लेक्चर्स, ३३३.
विल्हण, १२८.
विल्हेम वॉन हम्बोल्ट, ३४७.
विवृत, १९, १७८, २१७.
विशेषण उपवाक्य, २६२, २६३.
विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान, ३६०.
विश्व की भाषाएँ, ३२, ३६.
विश्वकोश, २९७.
विश्वनाथ १३६, २५३, २८४.
विश्वनाथ प्रसाद, ३३७.
विश्वबन्धु शास्त्री, ३३४.
विश्व-भाषा, ३२.
विश्व संस्कृत-सम्मेलन, १२६.
विषमीकरण, ५३, १८७, १८९.
विसर्ग-सन्धि, १२८.
विस्कान्सिन, ३५८.
वी० के० राजवाड़े, १३१, ३३४, ३३५.
वुलनर, ३३६.
वृक, २८१.
वृत्ताकार ओष्ठ, १७६.
वृत्ति, १५८, १६०.

वृषभ, २८१.
वृहस्पतिस्मृति, २८२.
वेणीसंहार, २७७.
वेद, ३००, ३०८—पाठ, ३०९.
वेदार्थज्ञान, ३१८.
वेबर, १२५, १४३.
वेल्श भाषा, ९९.
वैज्ञानिक प्रभाव, ५१, ५७.
वैदिक अपवाद, २३८.
वैदिक ध्वनिसमूह, ११७, ११८, १६६.
वैदिक भाषा, १२, २७, २८, ३४, ३६. ४७, ४९, ५०, ६४, ७८, ७९, १०१, ११२, ११८–१२४, १२६, १३३, १३४, १३९, १५१, १५५, १५९, १६७, टि०, २२९, २३०, २३८.
वैदिक भाषा तथा संस्कृत में रचनात्मक वैषम्य, १२२.
वैदिक शब्द, १२१.
वैदिक-संस्कृत, १०५–१०८, ११६, ११७, ३२३.
वैयक्तिक प्रभाव, ५१, ५६.
वोर्टर वूख्, ३३५, ३५२.
व्यंजन, १६६–१६९, १८२, १८५, २२२, —ऊष्म, ८९,—ध्वनि २१७, ३२१,— स्पर्श, ८९.
व्यंजन परश्रुति, २०६,—पूर्वश्रुति, २०६,
व्यंजन-प्रतिस्थापन, २२८, २३२.
व्यंजना, २७८.
व्यक्त वाक् ११, २२, २३.
व्यक्ति-कोश, २९७.
व्यक्तिगत भाषा, २४.
व्यंग्यार्थ, २७४.
व्यवहिति, ६२.
व्याकरण, १६, २९२, २९९, ३१८,— तत्त्व, २४७,—साम्य, ७९, ८१, ८२.
व्याडि, १४०.
व्यावसायिक भाषा, २८.
व्यावहारिक लिङ्ग, २३३.
व्यास, ११०, ३१६, ३४३.
व्यासप्रधान भाषा, ६९.—वाक्यरचना ६२ टि.
व्युत्पत्ति-विज्ञान ३०१.
शकुन्तलोपाख्यान, ३४६.
शतबलाक्ष, ३१६.
शब्द, २२४, २३७, २४५.
शब्द-अर्थ-सम्बन्ध, २७३.
शब्द-कोश, ६१, २९१.
शब्द-निर्णय, २९९,—निर्वचन, ३१७,
शब्दब्रह्म, १७, ५९, २५५, ३२९.
शब्दरूप, २४२, २४३,—लोप, २४४,= विपर्यय, २४४,—व्युत्पत्ति, १३, ३२२, —शक्ति, २७४, २८८, ३३०.
—शास्त्र, २४,—संग्रह, १९२,— समूह, १३,—साम्य, ७९, ८२,— स्थापनक्रम, २९८.
शब्दांश-विपर्यय, १८९.
शब्दशक्तिप्रकाशिका, २५३, टि०.
शब्दागम, २४३.
शब्दानुशासन, ३२६.
शब्दार्थ-निर्णय, २७६–२७७.
शब्देन्दुशेखर, ३३०.
शरच्चन्द्र, १४४.
शरीरविज्ञान, २०.
शहीदुल्ला, ३३६.
शाकटायन, २०७, ३१५, ३१६, ३१९.
शाकपूणि, ३१६.
शाकल्य, ३१६, ३१९.
शाब्दबिम्ब, २६, २७.
शारदा लिपि, ३६६.
शालातुर, ३१६.

शाहजहाँपुर, १४८.
शाहजो रिसालो, १४६.
शाहबाजगढ़ी, ३६७.
शाहानी, ३३६.
शाहलतीफ, १४६.
शिकागो, ३५८.
शिक्षाग्रन्थ, ३१३, ३६२.
शिक्षा वेदाङ्ग, ३, १५४, १५५, २११, ३०६, ३१२, ३१३.
शिलालेख, ८, ३६६.
शिलालेखी प्राकृत, १३४, १३५, १५१.
शिवनारायण शास्त्री, ३०, टि०, ३६२, टि०
शिष्ट भाषा, २८.
शीना-गिलगिती, १५२.
शुक्लयजुः प्रातिशाख्य, २०२, २०३.
शुद्ध अनुनासिक, ११८, १६६, १६७.
शुद्ध कण्ठ्य ध्वनियाँ, २०३.
शून्य रूप, २४६.
शूरसेन प्रदेश, १३७.
शेक्सपीयर-कोश, २६७.
शौनककृत ऋक्प्रातिशाख्य, ३१४.
शौरसेनी अपभ्रंश, १४१, १४७--१४६.
शौरसेनी प्राकृत, १३६, १३८.
श्रमध्वनि सिद्धान्त, ४१.
श्रमपरिहरणमूलकतावाद, ४१.
श्रवण अवयव, ५०, १८८.
श्रवण-यन्त्र, २०, २३.
श्रुति, २०६,—संज्ञा, ३६६.
श्यामसुन्दरदास, ६, १० टि०, २५ टि०, ६२, ७७, २७६, २८३, ३३८.
श्लाइखर, ३५३.
श्लिष्ट भाषा, ६६, ७५—योगात्मकता, १०२.
श्लिष्टयोगात्मक भाषा, ११६, १२२.
श्लिष्ट-योगात्मक वर्ग, २५३.
श्लिष्ट-योगात्मक वाक्य, २६४, २६५.
श्लेगल, ३४७.
श्वास-क्रिया, १६३.-नालिका, १६२, १६३, —वायु, १६६.
श्वेतरूसी भाषा, १०१.
संकेत-सिद्धान्त, ३७, ३८.
संकेतित शब्दसमूह, ५.
संगीतात्मक स्वराघात, ६५, १०१, ११८, १२२, १५०.
संघर्षी ध्वनियाँ, ११८, १७४,—व्यंजन, १७७.
संज्ञा उपवाक्य, २६२, २६३.
संज्ञा पद, २५३.
संथाली भाषा, ७४, २२६.
संधि, १८६.
संध्यक्षर, १८२, १८३.
संध्वनि, १५६, १५७, २११, २१५.
संयुक्त ध्वनियाँ, ५२, १६४, २०६.
संयुक्त रूपग्राम, २४७.
संयुक्त वाक्य, २६०-२६२.
संयुक्त स्वर, ८८, ११८, १६६: १६७.
संयोगात्मक भाषाएँ, ६४.
संरचनात्मक भाषाविज्ञान, ८.
संरूप, २४५, २४८, २४६.
संविद, ४५, १२६.
संवृत, १६, १७८, २१७.
संश्लेषावस्था, ६२.
संस्कृत ध्वनियाँ, १२०, १६७, १८१, १८२, १८३, २११, २१२, ३५७.
संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय, ३३६.
संस्कृत भाषा, ३, १५, १६, २७, २८, ३४, ३६, ४७--४६, ५६, ५७, ६२, ६४, ७५, ७६, ७८--८१, ८४, ६२-६६, १०२, १११-११३, ११६, ११६,

१२९, १३२, १३३, १३५, १३९, १४२, १५२, १५५, १६५, १७८, १९६--१९८, २००--२०४, २२८--२३२, २३४, २३७--२४३, २४५, २४९, २५०, २५७--२५९, २६१, २६७, २६८, २७६, २८२-२८४, ३२३, ३२६, ३२७, ३३२, ३३४--३३६, ३४३, ३४७, ३४९, ३५१--३५३, ३६८, ३७२.
संस्कृत-भाषा परिवार, ६१,
संस्वन, २१४, २१६, २१८-२२१.
संहितापाठ, ३१०.
संहिति, ६२.
सगोत्री शब्द, ८१.
सघोष अल्पप्राण ध्वनियाँ, २०१,--स्पर्श ध्वनियाँ, १९६.
सघोष ध्वनि, १६४, १८३.
सघोष महाप्राण स्पर्श ध्वनियाँ, १९६.
सघोषीकरण, १८७, १८९, १९०.
सचल कवि, १४६.
सतम् वर्ग, ९५, ९७, ११०, १५२.
सत्-असत्, २८२.
सत्यकाम वर्मा, २७२ टि०, २७३ टि०, २७५ टि०, ३२६ टि०, ३२८ टि०, ३२९ टि०, ३३४, ३३६, ३६२.
सत्याग्रह, ४५.
सत्याग्रह-गीता, १२९.
सन्त ज्ञानेश्वर, १४६.
सन्तान, ३१३.
सन्धि, १८७— नियम, ६१.
सन्ध्यक्षर, २०५, २०६.
सन्निधि, २५७.
सपीर, २११, ३६०.
सबल ध्वनियाँ, १५९.
समन्वित-सिद्धान्त, ४२.
समबल ध्वनियाँ, १५९.
समस्वरागम, २०७.
समाज-विज्ञान, १९.
समानाक्षर, १८२, १८३.
समास, ३२१.
समासप्रधान भाषा, ६९, ७६.
समासप्रधान वाक्यरचना, ६२ टि०.
समीकरण, ५३, १८६, १८९.
सम्पर्क भाषा, १४८.
सम्पर्क-सिद्धान्त, ४२.
सम्बन्धतत्त्व, ११९, १४०, २२५— २३७, २४६, २५९.
सम्बन्धसूचक अंग १५.
सम्बन्धदर्शीरूपग्राम, २४७.
सरकसी भाषा, ८४.
सर रामकृष्णगोपाल भण्डारकर, ३३३.
सर विलियम जोन्स, ३, ३४४, ३४५.
सरह कवि, १४०.
सर्प, २८१.
सर्बोक्रोती भाषा, १०१.
सर्वप्रत्ययसंयोगी भाषाएँ, ७४.
सहारनपुर, १४७.
साकांक्ष पदसमूह, २५३.
सांस्कृतिक परिवेश, २८६.
सांस्कृतिक प्रभाव, ५१, ५६.
सागर, १४८.
साग्दियन बोली, १११.
सादृश्य, ५१, ५४, २०८, २४२, २४३.
सादृश्य-उपनियम, १९५.
साधारण वाक्य, २६०--२६२.
साधु भाषा, २८.
साध्यावस्था, २३६.
साम, ३४२.
सामग्री-संकलन का युग, ३५२.
सामयेद भाषा, ८४.

सामाजिक परिवेश, २८५.
सामाजिक प्रभाव, ५१, ५६.
सामान्य ओष्ठ, १७६.
सामान्य भाषा, २८.
सामी (कवि), १४६.
सामी-परिवार, ७५, ३५१, ३६६, ३६८,
सामी-हामी परिवार, ८५, ६१.
सायण-भाष्य, ३५४.
सारन. १४४.
सारलादास, १४५.
सार्थक ध्वनियाँ, २२४, २३७.
सावर्ण्य, १८७ टि०.
सासुतो भाषा, ४३.
सास्यूर, २११, २५६.
साहचर्य सम्बन्ध, २८६.
साहस, २८२.
साहित्यकोश, २६६.
साहित्यदर्पण, २५३ टि०.
साहित्यशास्त्र, २६१.
साहित्यिक प्रभाव, ५१, ५७.
साहित्यिक प्राकृत, १००.
साहित्यिक फारसी, ११३.
साहित्यिक भाषा, १६, २८, ३२--३४, ४८--५०.
सिंहली भाषा, १००, ३३६.
सिकन्दर, ११०.
सिकन्दरिया, ३४०.
सिद्धान्तकौमुदी, ३२७.
सिद्धावस्था, २३६.
सिद्धेश्वर वर्मा, ३१३, ३३४, ३३६.
सिन्धी भाषा, १००, १४०, १४१, १४३, १४६, १५०, १५१, ३२२, ३३४, ३३६,
सीताराम चतुर्वेदी, १४३.
सीरिया, ८५, ३६७.
सुकरात, ३२७, ३३८, ३३६.
सुकुमार सेन, ३२४: ३३४, ३३६.
सुनीतिकुमार चटर्जी, १४३, ३३६, ३३७, ३४३.
सुप् प्रत्यय, २२६, सुबन्त २२४, २२५, २४५.
सुभद्र झा, ३३७.
सुमात्रा-जावा, ५५.
सुमित्र मंगेश कत्रे, ३३६.
सुमित्रानन्दन पन्त, २८८.
सुर, ५१, ५३, ७०, ७१, ७२, १४७, १६१, २१७, २२१, २३०, २३२, २४८.
सुश्राव्यता, २५४.
सूक्ति-कोश, २६७.
सूक्ति-रत्नाकर, २६७.
सूक्ति-सुधाकर, २६७.
सूडानी परिवार, ८५,—भाषा, १२६.
सूत्र, १२३.
सूर्यकान्त शास्त्री, ३३४.
सेन्टपिटर्सबर्ग डिक्शनरी, ३५२.
सेनार्ट, १३४.
सेमेटिक शब्द, १११.
सेमेटिकुस, ५८.
सेमण्टिक्स, २७०.
सैसैनियन राजवंश, १११.
सोवियत संघ, १०१.
स्कन्दस्वामी, ३३५.
स्कॉच भाषा, ६६.
स्काटलैण्ड, ६६.
स्टर्टवाण्ट या स्टुर्टवण्ट, ६६, ३५६.
स्टालियन, ८५.
स्टेनकोनेव, १०५ टि०.
स्तम्बुल बोली, १०२.
स्थानिक समीपता, ७६, ८०.
स्थूल लेखन, २११.

स्थौलाष्ठीवि, ३१६.
स्पर्श ध्वनि, १६६, १६७, १७४, १८२. १८३, १९५, १९८.
स्पर्श संघर्षी ध्वनियाँ, १७४, १७५.
स्पूनर, १८६ टि०.
स्पेन, ८५.
स्पेन भाषा, ६७.
स्फोटक वर्ण, १६४.
स्फोटवाद, १७, ३३०.
स्फोटायन, ३१६.
स्याम देश, ८५, १३१.
स्यामी भाषा, ७०, ७२.
स्लाव-भाषा, १२६,—उपवर्ग, १०१.
स्लोवाक् भाषा, १०२, स्लोवेनी, १०१.
स्वतन्त्र शब्द, २२८, २४८.
स्वनिम, २१३-२१६, २१८-२२१, २४५.
स्वनिम-परिवर्तन, ५६,—भेद, २१६.
स्वनिम-विज्ञान, २१०-२१२, २१७-२१६.
स्वयम्भू कवि, १४०.
स्वर, ८८, १६८, १६६, १७७, १७८, १८२, १८६, २२१, २७७, ३००.
स्वर-चतुर्भुज चित्र, १८०.
स्वरतन्त्रियाँ, १५६, १६२, १६३, १६६.
स्वरतन्त्रीय वाह्यप्रयत्न, १७५, १७६.
स्वर-ध्वनि, २०७, २१७, २१८.
स्वर परश्रुति, २०६.
स्वर-परिवर्तन, ११८, २०७.
स्वर पूर्वश्रुति, २०६.
स्वर-प्रतिस्थापन, २२८, २३२.
स्वरप्रधान भाषा, १३७.
स्वरभक्ति, ५३, १२२, १२३, २०७.
स्वरयन्त्र, १५६, १६२, १६३, १७०.
स्वरलोप, १८५.
स्वरागम, १८५.
स्वाराघात, १५७, १५६, १७०, २०२, ३२३, ३५१.
स्वराघातप्रधान भाषाएँ, १५६.
स्वराघात रूप, २३२.
स्वरित, २०, ७१, ११८, १५६, ३११.
स्वामी दयानन्द, ५६.
स्वाहिली भाषा, ८५.
स्वीडन, ६८.
स्वीडिश, १६६, स्वीडी भाषा, ६८.
हजारीवाग, १४४.
हबूड़ी बोली. १००.
हमीरपुर, १४८.
हम्बोल्ट, ३४८.
हम्मीरमर्दन, १३८.
हरदत्त, ३२७.
हरदेव वाहरी, ३२, ३३६, ३३८.
हरिवल्लभ भायाणी, ३३६.
हरिश्चन्द्र, २८०.
हर्डर, ३७, ३६, ३४२.
हर्ष, १२६, १३७.
हल-सन्धि, १८८.
हलायुध-कोश, २६४.
हाइफन, २६६.
हॉकेट, २१५.
हामी-परिवार, ७५.
हार्नली, १२५, १३८, १४३, ३३३.
हार्वर्ड, ३५८.
हालैण्ड, ६८.
हित्ती भाषा, ६२, ६७, ६६.
हितोपदेश, ३५६.
हिन्दी-ईरानी शाखा, २८, १०४, ११०.
हिन्दी अर्थविज्ञान, ३३८.
हिन्दी ध्वनि-समूह, १६७.
हिन्दी निरुक्त, ३३७.
हिन्दी भाषा, २३, २६, ३०, ३६, ४५, ४८, ५५, ८०, ८१, ८२, ८४, ६६, ११३, १४७, १४८, १५०, १५१, १५६, १६०, १६५, १७०, १७२,

१६१, १६७, २०६, २१२, २३२, २३४, २३६, २३७, २४२, २४३, २४७, २४८, २५७, २५८, २५६, २६१, २६३, २६८, २७६, २८२, २६५, ३३२, ३३३, ३३५, ३३७.
हिन्दी शब्दानुशासन, ३३७.
हिन्दू, २३.
हिन्दुस्तानी, ३३७.
हिब्रू भाषा, ३६, ६४, ७५, ८५, ३५१.
हिमारण्ययोर्महत्त्वे, १२७.
हिराती बोली, १११.
ह्विटनी, ३६, २५३, ३५५.
हिसार, १४८.
हीर राँझा, १४७.
हीरालाल जैन, ३३६.
हेज, ३८.
हेनरी टॉमस कोलब्रुक, ३४५.
हेनरी स्वीट, २५ टि०, ४२, ४३, ३४१.
हेमचन्द्र, १००, १३५, १३६, ३३१.
हेमन्तकुमार सरकार, ३३६.
हेमसरस्वती, १४५.
हेमस्लेव, २११.
हेरमान् आस्टाफ, ३५५.
ह्वेनसांग, १२८.
हैनरी स्वीट, २११.
हैवेट, २११.
हूरोन-इरोक्वा भाषा, ६०, ६३.
ह्रस्व ध्वनि, २०, १५८, १७८, १८४.
होतेन्तोत-बुशमैनी परिवार, ८५, ८६, २०५.
होमर, ६८, ३४०.
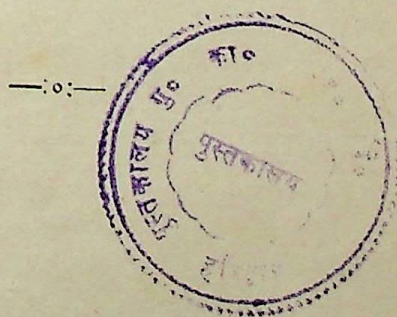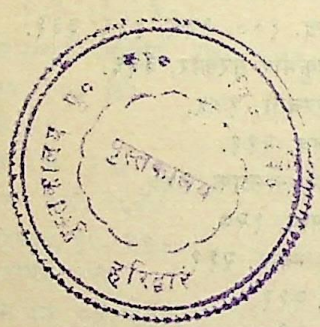
—:o:—

विधेयक के----से सहमत न होने पर कोई सदस्य अपने सिद्धान्त सामान्य वाद-विवाद के अवसर पर प्रस्तुत कर सकता है। पृ० ११०।

सी० आई० डी०--

सदस्यों के आने जाने में बाधा उपस्थित होने की दशा में ही----के लोगों के रहने पर आपत्ति की जा सकती है। पृ० ७९।

सूचना--

अध्यक्ष बिना नियमित----के किसी भी प्रस्ताव को प्रस्तुत करने की अनुमति दे सकता है। पृ० ४-५, ७५, १४१।

अनुपूरक प्रश्न द्वारा----नहीं दी जा सकती। पृ० ३७।

उत्तर में "----नहीं है" कहने के बजाय ----(नोटिस) मांग लेना उपयुक्त है। पृ० ४९।

किसी अध्यादेश के अननुमोदन का प्रस्ताव तीन दिन की----पर प्रस्तुत किया जा सकता है। पृ० १०३।

किसी अनुदान पर बिना पूर्व----के एक रुपये से अधिक की कटौती का प्रस्ताव नहीं किया जा सकता। पृ० १५।

प्रश्नों के उत्तर पर ही अनुपूरक प्रश्न किये जा सकते हैं, मंत्रियों द्वारा दी गई किसी अतिरिक्त----पर नहीं। पृ० ४३-४४।

यदि किसी अनुपूरक प्रश्न के उत्तर के लिये ----मांगी गई हो तो उस सम्बन्ध में और अनुपूरक प्रश्न नहीं किये जा सकते। पृ० ४३।

विधान सभा के सदस्य की गिरफ्तारी की----सदन को देना अध्यक्ष का कर्तव्य है। पृ० ७।

विधेयक के खंडों में बिना----के भी संशोधन अध्यक्ष की अनुमति से किया जा सकता है। पृ० ७५।

शोक प्रस्ताव सर्वसम्मत होने पर बिना ----के भी अध्यक्ष की अनुमति से आ सकता है। पृ० १४३।

सदस्यों को अपने प्रश्नों को स्थगित करने की----उस प्रश्न के लेने से पूर्व देनी चाहिये। पृ० ४४।

स्तर को बहुत नीचे गिरा देना है--

"----"का प्रयोग अपमानजनक होने के कारण नहीं करना चाहिये। पृ० १६२।

स्थानिक संस्थाओं--

----के सम्बन्ध में सिद्धान्तों या महत्व के सार्वजनिक हितों से सम्बन्धित विषयों पर ही प्रश्न पूछे जा सकते हैं, ब्योरे के प्रश्न नहीं पूछे जा सकते। पृ० ३६।

स्वविवेक--

अध्यक्ष के निर्णय अथवा-----पर आक्षेप या टीका नहीं की जा सकती। पृ० ५।

स्वार्थवश--

किसी सदस्य के लिये इस प्रकार कहना कि "----उन्होंने यह संशोधन रखा है" असंसदीय है। पृ० १५४।

ह

हड्डियां--

"वह लोग जो गरीबों की----चूस रहे हैं" शब्दावली जब किसी व्यक्ति अथवा वर्ग के लिये प्रयुक्त हो तो अनुचित है। पृ० १५९।

हवाला--

जो बहस हो चुकी है उसको दोहराया नहीं जा सकता यद्यपि संक्षेपतः उसका ----दिया जा सकता है। पृ० ५९।

हस्ताक्षर--

सदस्यों का रजिस्टर में----न करना और बाद में प्रार्थना करना कि वे उस दिन उपस्थित थे, अवांछनीय है। पृ० ८३।

हाउस आफ कामन्स--

विशेषाधिकार के बारे में सदन के वही अधिकार हैं जो कि ब्रिटिश पार्लियामेंट के----के हैं। पृ० १३६।

हिन्दी--

----के मूल अधिनियमों का उद्धरण ----में ही दिया जाना चाहिये। पृ० १०६।

सदन की भाषा-----होने के कारण कोई विधेयक अंग्रेजी में नहीं पारित हो सकता। पृ० ७३-७४।

सदन की भाषा-----होने के कारण विधेयक की-----तथा अंग्रेजी प्रतियों में अन्तर होने पर-----की प्रति ही सही मानी जायगी। पृ० ७३।

हिमाकत--

किसी सदस्य के लिये यह कहना कि "यह कहने की-----वे ही कर सकते हैं" असंसदीय है। पृ० १५४।

पी० एस० यू० पी० ए० पी०—१७२ एस० ए०—१९५८—७५०।